हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय

सत्रांत परीक्षा, मई/जून -2018

कार्यक्रम : एम.ए. (हिंदी)

सेमेस्टर : द्वितीय

पाठ्यक्रम का नाम : आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास

कोर्स कोड : SLLCH HND 1 2 07 C 5005

सत्र : 2017-18

अवधि : 3 घंटे

पूर्णांक : 70

नोट: इस प्रश्न पत्र में कुल पांच प्रश्न हैं और सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। **प्रत्येक प्रश्न चौदह अंकों का है।**

प्रश्न संख्या 1 के सात उपखंड हैं और परीक्षार्थी को किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देने हैं। **प्रत्येक उपखंड 3.5 अंकों का है।**

1. अ. राष्ट्रीय काव्यधारा के किन्हीं दो कवियों का साहित्यिक परिचय लिखिए। **(3.5X4=14)**

ब. प्रगतिवाद के किन्हीं दो कवियों का काव्य परिचय लिखिए।

स. निराला का साहित्यिक परिचय लिखिए।

द. मध्य वर्ग का आशय स्पष्ट कीजिए।

य. भारतेंदुयुगीन नाटकों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

र. तारसप्तक के कवियों का परिचय दीजिए।

ल. हिंदी के प्रमुख लेखक संघों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

नोट: प्रश्न संख्या दो से पांच तक में तीन उपखंड हैं, जिसमें से विद्यार्थी को प्रत्येक प्रश्न से किन्हीं दो उपखंडों का उत्तर देना है। प्रत्येक उपखंड सात अंकों का है।

2. अ. हिंदी गद्य के उद्भव और विकास को रेखांकित कीजिए। **(2X7=14)**

ब. 'महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण' पर सारगर्भित निबंध लिखिए।

स. भारतेंदु और उनके मंडल के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।

3. अ. छायावादी काव्य की प्रमुख विशेषताएँ बताइए। **(2X7=14)**

ब. प्रगतिवाद के उदय के कारणों एवं युगीन परिस्थितियों की विवेचना कीजिए।

स. छायावादी कवियों के कविकर्म की समीक्षा कीजिए।

4. अ. प्रेमचंदयुगीन कथा साहित्य पर प्रकाश डालिए। **(2X7=14)**

ब. हिंदी के प्रमुख स्वातंत्र्योत्तर नाटककारों का परिचय दीजिए।

स. हिंदी निबंध की विकास यात्रा का परिचय दीजिए।

5. अ. प्रयोगवाद के प्रमुख कवियों का परिचय दीजिए। **(2x7=14)**

ब. समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता पर प्रकाश डालिए।

स. समकालीन कविता के प्रमुख कवियों का परिचय लिखिए।

हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय

सत्रांत परीक्षा, मई -2018

कार्यक्रम : एम.ए. (हिंदी)

सेमेस्टर : द्वितीय

पाठ्यक्रम का शीर्षक : कथेतर गद्य विधाएँ

कोर्स कोड : SLLCH HND 1 2 08 C 5005

सत्र : 2017-18

अवधि : 3 घंटे

पूर्णांक : 70

नोट: इस प्रश्न पत्र में कुल पांच प्रश्न हैं और सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। **प्रत्येक प्रश्न चौदह अंकों का है।** प्रश्न संख्या 1 के सात उपखंड हैं और परीक्षार्थी को किन्हीं दो उपखंडों के उत्तर देने हैं। **प्रत्येक उपखंड 3.5 अंकों का है।**

1. अ. सदल मिश्र का साहित्यिक परिचय लिखिए। **(3.5X4=14)**

ब. आधुनिकता और भारतेंदु

स. रेखाचित्र को परिभाषित कीजिए।

द . आधुनिकता का आशय स्पष्ट कीजिए।

य .'ज्यों-ज्यों हमारी वृत्तियों पर सभ्यता के नये-नये आवरण चढ़ते जायेंगे त्यों-त्यों एक ओर तो कविता की आवश्यकता बढ़ती जायेगी, दूसरी ओर कवि-कर्म कठिन होता जायेगा'- इन पंक्तियों का भावार्थ स्पष्ट कीजिए।

र . हरिशंकर परसाई की निबंध शैली पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

ल .'भक्तिन' का मूलभाव लिखिए।

नोट: प्रश्न संख्या दो से पांच तक में तीन उपखंड हैं, जिसमें से विद्यार्थी को प्रत्येक प्रश्न से किन्हीं दो उपखंडों का उत्तर देना है। प्रत्येक उपखंड सात अंकों का है।

2. अ. हिंदी गद्य के विकास में फोर्ट विलियम कॉलेज के महत्त्व की विवेचना कीजिए। **(2X7=14)**

ब. भारतेंदु पूर्व हिंदी गद्य पर प्रकाश डालिए।

स. हिंदी गद्य के विकास में इंशाअल्ला खां, सदासुखलाल और राजा लक्ष्मण सिंह के योगदान को निरुपित कीजिए।

3. अ. संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए- (2X7=14)

अशोक को जो सम्मान कालिदास से मिला वह अपूर्व था। सुंदरियों के आसिंजनकारी नूपुरवाले चरणों के मृदु आघात से वह फूलता था, कोमल कपोलों पर कर्णावतंस के रूप में झूलता था और चंचल नील अलकों की अचंचल शोभा को सौ-गुना बढ़ा देता था। वह महादेव के मन में क्षोभ पैदा करता था, मर्यादा पुरुषोत्तम के चित्त में सीता का भ्रम पैदा करता था और मनोजन्मा देवता के एक इशारे पर कंधे पर से ही फूट उठता था।

ब. संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए-

नयी कविता के विभिन्न कवियों की अपनी-अपनी विशेष शैलियाँ हैं। इन शैलियों का विकास अनवरत है। आगे चलकर जब वे प्रौढ़तर होंगी, नयी कविता विशेष रूप ज्योतिर्मान होकर सामने आयेगी। साथ ही, नयी कविता में स्वयं कई भाव-धाराएं हैं, एक भाव-धारा नहीं। इनमें से एक भाव-धारा में प्रगतिशील तत्त्व पर्याप्त हैं। उनकी समीक्षा होना बहुत आवश्यक है। मेरा अपना मत है, आगे चलकर नयी कविता में प्रगतिशील तत्त्व और भी बढ़ते जायेंगे और मानवता के अधिकाधिक समीप आयेगी।

स. 'कविता क्या है' निबंध की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

4. अ. आधुनिकता और हिंदी गद्य के अंतर्संबंधों को निरुपित कीजिए।

ब. हिंदी गद्य के विकास में द्विवेदी युग के योगदान का उल्लेख कीजिए।

स. हिंदी में संस्मरण और यात्रा वृत्तान्त की परम्परा को स्पष्ट कीजिए।

5. अ. आत्मकथा की परम्परा में 'अपनी खबर' के महत्त्व को स्थापित कीजिए ।

ब. संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए-

बीसवीं शताब्दी के भारतीय घुमक्कड़ों की चर्चा करने की आवश्यकता नहीं। इतना लिखने से मालूम हो गया होगा कि संसार में यदि अनादि सनातन धर्म है तो वह घुमक्कड़ धर्म है। लेकिन वह संकुचित सम्प्रदाय नहीं है, वह आकाश की तरह महान है, समुद्र की तरह विशाल है। जिन धर्मों ने अधिक यश और महिमा प्राप्त की है, केवल घुमक्कड़ धर्म ही के कारण। प्रभु ईसा घुमक्कड़ थे उनके अनुयायी भी ऐसे घुमक्कड़ थे, जिन्होंने ईसा के संदेश को दुनिया के कोने कोने में-पहुँचाया।

स. महादेवी वर्मा की गद्य शैली विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय

सत्रांत परीक्षा, मई/जून, 2018

कार्यक्रम : **एम.ए. (हिंदी)** सत्र : **2017-18**

सेमेस्टर : **द्वितीय** समयावधि : **3 घंटे**

पाठ्यक्रम शीर्षक : **हिंदी कथा साहित्य-II (Reappear)** अधिकतम अंक : **70**

पाठ्यक्रम कोड : **SLLCH HND 1 2 06 C 5005**

निर्देश :

- प्रश्न सं. 1 के कुल सात भाग हैं, जिनमें से किन्हीं चार के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक भाग के 3.5 अंक निर्धारित हैं।
- प्रश्न सं. 2 से 5 तक के प्रश्नों के तीन-तीन भाग हैं, जिनमें से किन्हीं दो के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक भाग के 7 अंक निर्धारित हैं।

1. संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : (3.5 x 4 = 14 अंक)
   a) उपन्यास से अभिप्राय।
   b) मन्नू भंडारी का रचना कर्म।
   c) 'राग दरबारी' की मूल समस्या।
   d) 'यही सच है' में प्रेम।
   e) 'भोलाराम का जीव' में व्यंग्य।
   f) कहानी आन्दोलन।
   g) सक्रिय कहानी।
2. a) विभाजन संबंधी हिंदी की प्रमुख रचनाओं पर प्रकाश डालिए। (7 x 2 = 14 अंक)
   b) विचारधारा और उपन्यास के अंतर्संबंधों की व्याख्या कीजिये।
   c) हिंदी ऐतिहासिक उपन्यासों का परिचय दीजिए।
3. a) 'शेखर : एक जीवनी' उपन्यास की कथावस्तु के प्रमुख बिंदुओं को स्पष्ट कीजिये। (7 x 2 = 14 अंक)
   b) 'बाणभट्ट की आत्मकथा' में अभिव्यक्त बाणभट्ट की चारित्रिक विशेषताओं को रेखांकित कीजिये।
   c) ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

      आवारा तो मैं था ही। इस नगर से उस नगर में, इस जनपद से उस जनपद में बरसों मारा-मारा फिरता रहा। इस भटकन में मैंने कौन-सा कर्म नहीं किया ? कभी नट बनता, कभी पुतलियों का नाच दिखाता, कभी नाट्य-मंडली संगठित करता और कभी पुराण-वाचक बनकर जनपदों को धोखा देता रहा; सारांश, कोई कर्म छोड़ा नहीं। भगवान ने मुझे अच्छा रूप दिया था और बोलने की पटुता भी थोड़ी-सी थी। बस, मेरी किशोरावस्था और जवानी के दिनों में ये ही दो बातें मेरी सहायता करती थीं। यद्यपि लोग मेरे बहुविध कार्य-कलाप को देखकर मुझे 'भुजंग' समझने लगे थे; पर मैं लम्पट कदापि नहीं था।
4. a) 'महाभोज' उपन्यास के माध्यम से रचनाकार का मंतव्य स्पष्ट कीजिये। (7 x 2 = 14 अंक)
   b) 'राग दरबारी' उपन्यास की कथावस्तु की समीक्षा कीजिये।

c) ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

तब सुकुल बाबू ने आवाज़ को और भी ऊँचा चढ़ाकर चेतावनी देते हुए कहा, "गाँठ बांध लीजिये कि यह सरकार आप लोगों के लिए कुछ नहीं करने जा रही। इसे लगाव आपसे नहीं, अपनी कुर्सियों से है और कुर्सियों का तकाज़ा यही है कि अभी ऐसी बातों को गोलमाल करके ही छोड़ दो। कुर्सी और इंसानियत में बैर है। इंसानियत की खाद पर ही कुर्सी के पाए अच्छी तरह जमते हैं

5. a) 'कोसी का घटवार' कहानी के मूल मंतव्य को स्पष्ट कीजिए। (7 x 2 = 14 अंक)

b) रजुआ की चारित्रिक विशेषताओं पर एक नोट लिखिए ।

c) ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

यमदूत हाथ जोड़कर बोला, "दयानिधान, मैं कैसे बतलाऊं कि क्या हो गया। आज तक मैंने धोखा नहीं खाया था, पर इस बार भोलाराम का जीव मुझे चकमा दे गया। पांच दिन पहले जब जीव ने भोलाराम की देह त्यागी, तब मैंने उसे पकड़ा और इस लोक की यात्रा आरम्भ की। नगर के बाहर ज्यों ही मैं उसे लेकर एक तीव्र वायु-तरंग पर सवार हुआ, त्यों ही वह मेरे चंगुल से छूटकर न जाने कहाँ गायब हो गया। इन पांच दिनों में मैंने सारा ब्रह्माण्ड छान डाला, पर उसका कहीं पता नहीं चला।"

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय

सत्रांत परीक्षा, मई/जून, 2018

कार्यक्रम : **एम.ए. (हिंदी)** सत्र : **2017-18**

सेमेस्टर : **द्वितीय** समयावधि : **3 घंटे**

पाठ्यक्रम शीर्षक : **हिंदी कथा साहित्य-II** अधिकतम अंक : **70**

पाठ्यक्रम कोड : **SLLCH HND 1 2 06 C 5005**

निर्देश :

- प्रश्न सं. 1 के कुल सात भाग हैं, जिनमें से किन्हीं चार के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक भाग के 3.5 अंक निर्धारित हैं।
- प्रश्न सं. 2 से 5 तक के प्रश्नों के तीन-तीन भाग हैं, जिनमें से किन्हीं दो के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक भाग के 7 अंक निर्धारित हैं।

1. संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : (3.5 x 4 = 14 अंक)
   a) उपन्यास से अभिप्राय।
   b) अज्ञेय का रचना कर्म।
   c) 'तमस' शीर्षक की सार्थकता।
   d) 'यही सच है' की मूल संवेदना।
   e) 'भोलाराम का जीव' में व्यंग्य।
   f) समानांतर कहानी।
   g) सक्रिय कहानी।
2. a) विभाजन संबंधी प्रमुख हिंदी कहानियों पर प्रकाश डालिए। (7 x 2 = 14 अंक)
   b) विचारधारा और उपन्यास के अंतर्संबंधों की व्याख्या कीजिये।
   c) स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यास का विकासात्मक परिचय दीजिए।
3. a) 'शेखर : एक जीवनी' उपन्यास के कथाशिल्प पर प्रकाश डालिए। (7 x 2 = 14 अंक)
   b) 'तमस' उपन्यास के आलोक में वर्तमान समय में सांप्रदायिकता की समस्या के स्वरूप को स्पष्ट कीजिये।
   c) ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

      मुहल्लों के बीच लीकें खिंच गई थीं, हिन्दुओं के मुहल्ले में मुसलमानों को जाने की अब हिम्मत नहीं थी, और मुसलमानों के मोहल्ले में हिन्दू-सिख अब नहीं आ जा सकते थे। आँखों में संशय और भय उतर आये थे। गलियों के सिरों पर, और सड़कों के नाकों पर जगह-जगह कुछ लोग हाथों में लाठियां और भाले लिए और मुश्कें बांधे छिपे बैठे थे। जहाँ कहीं हिन्दू और मुसलमान पड़ोसी एक-दूसरे के पास खड़े थे, बार-बार एक ही वाक्य दोहरा रहे थे- 'बहुत बुरा हुआ, बहुत बुरा हुआ है।' इससे आगे वार्तालाप बढ़ ही नहीं पाता था. वातावरण में जड़ता-सी आ गई थी। सभी लोग मन ही मन जानते थे कि यह काण्ड यहीं पर खत्म होने वाला नहीं है, लेकिन आगे क्या होगा किसी को मालूम नहीं था।'
4. a) 'महाभोज' उपन्यास का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिये। (7 x 2 = 14 अंक)
   b) 'सेज पर संस्कृत' उपन्यास में अभिव्यक्त धर्म के स्वरूप को समझाइये।

c) ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

दो बार आए हुए लोगों को आगाह कर चुका है थानेदार, पर जैसे भरोसा नहीं हो रहा। तसल्ली नहीं हो रही तो एक बार फिर गया और सख्त हिदायत कर दी-'जैसें ही एस.पी. साहब की जीप अहाते में घुसे बतकही एकदम बंद। बिलकुल चुप। जिसका बयान होना है, वहाँ भीतर आएगा और एकदम इकल्ला। बाकी लोग यहाँ से हिलोगे भी नहीं, समझे ? यह नहीं कि भीतर तो बयान हो रहा है और बरामदे में झुण्ड बनाकर, मुण्डियाँ निकाल-निकालकर तांक-झांक कर रहे हैं। सऊर तुम लोगों को जिंदगी भर नहीं आने का ! पर समझ लो, एस.पी. साहब के सामने देहाती मामला नहीं चलने का है। जो पूछें उसी का जवाब देना...इधर-उधर की फालतू बात एकदम नहीं।

5.a) 'कोसी का घटवार' कहानी की कथावस्तु की समीक्षा कीजिए। (7 x 2 = 14 अंक)

b) 'जिंदगी और जोंक' कहानी में अभिव्यक्त समाज पर प्रकाश डालिए।

c) ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

अन्दर कुछ गिरा और उनकी पत्नी हड़बड़ाकर उठ बैठीं, "लो बिल्ली ने कुछ गिरा दिया शायद", और वह अंदर भागीं. थोड़ी देर में लौटकर आयीं तो उनका मुंह फूला हुआ था," देखा बहू को, चौका खुला छोड़ आई, बिल्ली ने दाल की पतीली गिरा दी। सभी तो खाने को हैं, अब क्या खिलाऊँगी ?" वह सांस लेने को रुकी और बोलीं-"एक तरकारी और चार परांठे बनाने में सारा डिब्बा घी उंडेल कर रख दिया। जरा-सा दरद नहीं है, कमाने वाला हाड़ तोड़े और यहाँ चीजें लूटें। मुझे तो मालूम था कि यह सब किसी के बस का नहीं हैं।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय

सत्रांत परीक्षा, मई 2018

कार्यक्रम : एम. ए. (हिंदी)

सेमेस्टर : द्वितीय

सत्र : 2017-18

समय : 3 तीन घंटे

प्रश्नपत्र का शीर्षक : छायावादोत्तर काव्य

पूर्णांक

प्रश्न पत्र संख्या : SLLCH HND 1 2 05 C 5005

नोट : इस प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न दिए गए हैं तथा सभी प्रश्न अनिवार्य है. प्रत्येक प्रश्न 14 अंकों का है. प्रश्न सख्या एक के कुल सात उप विभाग है तथा विद्यार्थियों को किन्हीं चार के उत्तर देने हैं. प्रत्येक उप प्रश्न 3.5 अंकों का है.

1. अ. छायावादोत्तर काव्य का राजनैतिक परिवेश (3.5x4=14)

   ब. प्रगतिवादी काव्य मूल्य

   स. लघुमानव की अवधारणा

   द. अज्ञेय की काव्यभाषा

   य. दूसरा सप्तक

   र. अपनी केवल धार की विषयवस्तु

   ल. अकविता

नोट: प्रश्न संख्या दो से पाँच तक के तीन उप विभाग है तथा विद्यार्थियों को प्रत्येक प्रश्न के किंही दो उप विभागों के उत्तर देने हैं. प्रत्येक उप प्रश्न 7 अंकों का है.

2. अ. छायावादोत्तर काव्य के सांस्कृतिक परिवेश का उद्घाटन कीजिए। (2X7=14)

   ब. नयी कविता की प्रवृत्तियों का परिचय दीजिए|

   स. प्रयोगवाद प्रगतिवाद से कैसे भिन्न है? स्पष्ट कीजिए।

(2X7=14)

3. अ. "असाध्यवीणा जीवन के परम सत्य को चित्रित करती है|" इस कथन को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

   ब. 'मुनादी' कविता के कथ्य पर प्रकाश डालिए|

   स. संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए-

'कम्बल पर अभिमन्त्रित एक अकेलेपन में डूब गया था
जिसमें साक्षी के आगे था
जीवित रही किरीटी-तरु
जिसकी जड़ वासुकि के फण पर थी आधारित,
जिसके कन्धों पर बादल सोते थे
और कान में जिसके हिमगिरी कहते थे अपने रहस्य।
सम्बोधित कर उस तरु को, करता था
नीरव एकालाप प्रियंवद।'

4. **अ.** 'अंधेरे में' कविता का विश्लेषण कीजिए। (2X7=14)

ब. 'पटकथा' का प्रतिपाद्य निरुपित कीजिए।

स. संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए –

'बहुत दिनों के बाद
अब की मैंने जी-भर देखी
पकी-सुनहली फसलों की मुसकान
बहुत दिनों के बाद
बहुत दिनों के बाद
अब की मैं जी-भर सुन पाया
धान कुटती किशोरियों की कोकिल-कंठी तान
बहुत दिनों के बाद|'

5. **अ.** 'रघुवीर सहाय के काव्य में राजनीतिक चेतना का स्वर प्रस्फुटित हुआ है|' स्पष्ट कीजिए| (2X7=14)

ब. एक कवि के रूप में केदारनाथ सिंह के साहित्यिक योगदान का मूल्यांकन कीजिए।

स. संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए-

हे राम,
जीवन एक कटु यथार्थ है
और तुम एक महाकाव्य !

तुम्हारे बस की नहीं
उस अविवेक पर विजय
जिसके दस बीस नहीं
अब लाखों सर - लाखों हाथ हैं,
और विभीषण भी अब
न जाने किसके साथ है.

हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय

सत्रांत परीक्षा, मई -2018

कार्यक्रम : एम.ए. (हिंदी)

सेमेस्टर : द्वितीय

पाठ्यक्रम का शीर्षक : आधुनिक भारतीय साहित्य

कोर्स कोड : SLLCH HND 1 2 03 DCEC4004

सत्र : 2017-18

अवधि : 3 घंटे

पूर्णांक : 70

नोट: इस प्रश्न पत्र में कुल पांच प्रश्न हैं और सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। **प्रत्येक प्रश्न चौदह अंकों का है।** प्रश्न संख्या 1 के सात उपखंड हैं और परीक्षार्थी को किन्हीं चार उपखंडों के उत्तर देने हैं। **प्रत्येक उपखंड 3.5 अंकों का है।** **(3.5X4=14)**

1. **अ.** बहुभाषिकता का आशय लिखिए।

ब. नारणप्पा के चरित्र की प्रमुख विशेषताओं को लिखिए।

स. '1084वें की माँ विद्रोह की सनातन कथा है'- इस कथन पर संक्षेप में अपने विचार लिखिए।

द . 'सौतेली माँ' के चरित्र पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

य .'श्री गजराज किरपा कीजै
हम खेल करै सो जस दीजै।
मंगलमूर्ति मोरया, गणपति बप्पा मोरया'- इन पंक्तियों का भावार्थ स्पष्ट कीजिए।

र . बंदी कविता का प्रतिपाद्य लिखिए।

ल' .हम वहाँ हैं जहाँ से हम को भी
कुछ हमारी ख़बर नहीं आती
मरते हैं आरज़ू में मरने की
मौत आती है पर नहीं आती।' _____इन पंक्तियों का भावार्थ लिखिए।

नोट: प्रश्न संख्या दो से पांच तक में तीन उपखंड हैं, जिनमें से विद्यार्थी को प्रत्येक प्रश्न से किन्हीं दो उपखंडों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक उपखंड सात अंकों का है।

2. **अ.** भारतीय साहित्य की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए। **(2X7=14)**

ब. 'बहुभाषिकता भारतीय साहित्य का अप्रतिम सौन्दर्य है'- इस कथन की विस्तृत विवेचना कीजिए।

स. 'भारत में बहुसांस्कृतिकता' विषय पर सारगर्भित निबंध लिखिए।

3. **अ.** संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए- **(2X7=14)**

बहुत दिनों तक काल कोठरी में रहने से शायद मन की अनुभूतियाँ काफी पैनी हो जाती हैं, क्योंकि कालकोठरी का अकेलापन भयावह होता है; वहाँ आदमी के चारों तरफ की बहरी दीवारों, लोहे दरवाजों के बीच, सिर्फ़ दीवार पर बने एक गवाक्ष के पहरे में, अपने साथ निपट अकेले रहना पड़ता है। अपने मन को छुरी की या संगीन की धार की तरह तीखा-पैना बनाकर वह याद करने की कोशिश करता है कि बाहर की दुनिया में उसे किस-किसने याद रखा है।

ब. '1084वें की माँ' की पात्र-परिकल्पना की समीक्षा कीजिए ।

स. प्राणेशाचार्य का चरित्र-चित्रण कीजिए।

4. अ. घासीराम' कोतवाल' के चरित्र पर प्रकाश डालिए। **(2X7=14)**

ब. तुगलक नाटक के कथानक की समीक्षा कीजिए ।

स. संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए-

पुण्यपत्तन निवासी नागरिको! हमारी महान नगरी पर छाया हुआ एक भयानक संकट टल चुका है। एक रोग मिट चुका है। आप सब लोगों को जिस नरकासुर ने लगातार परेशान किया, जीना दूभर कर दिया वो घासीराम कोतवाल अब मर चुका है, वध हो चुका है। श्री गजराज की असीम अनुकम्पा से, दया से सब ठीक हुआ है।

5. अ. भारतीय साहित्य में रवीन्द्रनाथ के योगदान का उल्लेख कीजिए। **(2x7=14)**

ब. संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए-

'मुहब्बत में नही है फ़र्क़ जीने और मरने का
उसी को देख कर जीते हैं जिस क़ाफ़िर पे दम निकले
ख़ुदा के वास्ते पर्दा न काबे का उठा ज़ालिम
कहीं ऐसा न हो यां भी वही क़ाफ़िर सनम निकले
कहाँ मैख़ाने का दरवाज़ा 'ग़ालिब' और कहाँ वाइज़
पर इतना जानते हैं, कल वो जाता था कि हम निकले'

स. सप्रसंग व्याख्या कीजिए-

हे मेरे चित्त, पुण्य तीर्थ में-
इस भारत के महामानव के सागर तट पर धीरे जगो!
दोनों बाँहें फैला यहाँ खड़े हो, नर देवता का नमन कर
उदार छंदों में परम आनन्द से बार-बार उनका वंदन कर
ध्यान-गंभीर यह जो भूधर है
नदी रूपी जयमाला लिए यह जो प्रांतर है
यहाँ नित्य पवित्र धरती को निरखो-
इस भारत के महामानव के सागर तट पर।

हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय

सत्रांत परीक्षा, मई -2018

कार्यक्रम : एम.ए. (हिंदी)
सेमेस्टर : द्वितीय
पाठ्यक्रम का नाम : समकालीन साहित्य चिंतन
कोर्स कोड : SLLCH HND 1 2 01 DCEC4004

सत्र : 2017-18
अवधि : 3 घंटे
पूर्णांक : 70

नोट: इस प्रश्न पत्र में कुल पांच प्रश्न हैं और सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। **प्रत्येक प्रश्न चौदह अंकों का है।** प्रश्न संख्या 1 के सात उपखंड हैं और परीक्षार्थी को किन्हीं चार उपखंडों के उत्तर देने हैं। **प्रत्येक उपखंड 3.5 अंकों का है।**

1. टिप्पणी लिखिए: (3.5X4=14)

अ. 'वर्ग-संघर्ष'

ब. नवमार्क्सवाद

स. आलोचनात्मक यथार्थवाद

द . फूको

य . संरचनावाद

र . विस्थापन

ल . बहु-सांस्कृतिकता

नोट: प्रश्न संख्या दो से पांच तक में तीन उपखंड हैं, जिनमें से विद्यार्थी को प्रत्येक प्रश्न से किन्हीं दो उपखंडों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक उपखंड सात अंकों का है।

2. अ. मार्क्सवाद पर एक सारगर्भित निबंध लिखिए। (2X7=14)

ब. फ्रैंकफर्ट स्कूल के महत्व की विवेचना कीजिए।

स. अलगाववाद की अवधारणा को रेखांकित कीजिए।

3. अ. रूपवाद पर प्रकाश डालिए । (2X7=14)

ब. यथार्थवाद की विस्तृत विवेचना कीजिए।

स. रूपवाद और यथार्थवाद की तुलना कीजिए।

4. अ. उत्तर आधुनिकता की संकल्पना को स्पष्ट कीजिए। (2X7=14)

ब. देरिदा की अवधारणाओं की समीक्षा कीजिए।

स. संरचनावाद और उत्तर संरचनावाद में अंतर स्पष्ट कीजिए।

5. अ. 'साहित्य का समाजशास्त्र' को निरुपित कीजिए। (2x7=14)

ब. भारतीय संदर्भ में भूमंडलीकरण को रेखांकित कीजिए।

स. सांस्कृतिक बहुलतावाद के भारतीय परिप्रेक्ष्य को रेखांकित कीजिए।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय

सत्रांत परीक्षा, मई/जून, 2018

कार्यक्रम : **एम.ए. (हिंदी)** सत्र : **2017-18**

सेमेस्टर : **द्वितीय** समयावधि : **3 घंटे**

पाठ्यक्रम शीर्षक : **हरियाणा का लोक साहित्य** अधिकतम अंक : **70**

पाठ्यक्रम कोड : **SLLCH HND 1 2 02 DCEC 4004**

निर्देश :

1.प्रश्न सं. 1 के कुल सात भाग हैं, जिनमें से किन्हीं चार के उत्तर देने होंगे. प्रत्येक भाग के 3.5 अंक निर्धारित हैं.

2. प्रश्न सं. 2 से 5 तक के प्रश्नों के तीन-तीन भाग हैं, जिनमें से किन्हीं दो के उत्तर देने होंगे. प्रत्येक भाग के 7 अंक निर्धारित हैं.

1. संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : (3.5 x 4 = 14 अंक)
   a) लोकगीतों का महत्त्व।
   b) पंडित लख्मीचंद।
   c) 'आसा की किरण' का कथानक।
   d) 'स्वर्ण जयंती' में व्यंग्य।
   e) ऋतु संबंधी लोकगीत।
   f) बोली और भाषा का सम्बन्ध।
   g) लोक साहित्य में परम्परा।
2. a) वर्तमान समय में लोक साहित्य के महत्त्व को रेखांकित कीजिए। (7 x 2 = 14 अंक)
   b) शिष्ट और लोक साहित्य के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए।
   c) लोक साहित्य के विभिन्न रूप कौन-कौन से हैं ?
3. a) हरियाणवी भाषा का सामान्य परिचय दीजिए। (7 x 2 = 14 अंक)
   b) कौरवी और अहीरवाटी बोली से आप क्या समझते हैं ?
   c) बांगरू बोली की विशेषताएँ बताइए।
4. a) पंडित मांगेराम का साहित्यिक परिचय दीजिये। (7 x 2 = 14 अंक)
   b) सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

''हंसती खेलती चाल पड़ी परियां कैसा बाणा
कामदेव करै जोर गात मैं हूर का जोबन याणा
कदे ऊपर कदे नीचै देखै सादी ढाल लखाणा
बिन बोले जै बोल पड़ूँ तै होज्य जबर उल्हाणा
ईब तलक रही दूर परै ना पड़ी मरद की छाली।''

c) सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

''एक चिड़े की चिड़िया मरगी, दूजी लाया ब्या के!
देख सोंप के बच्चों ने, वा बैठ गयी गम खा के!!
चिड़ा घर ते चला गया, फेर समझा और बुझा के!!
उस पापन ने वो दोनों बच्चे, तले गेर दिए ठा के!
चोंच मार के घायल कर दिए, चिड़िया ने जुलम गुजार दिए! ''

5. a) 'स्वर्ण जयंती' एकांकी की मूल समस्या पर विचार कीजिए ? (7 x 2 = 14 अंक)

b) वर्तमान समय में 'आसा की किरण' कहानी की प्रासंगिकता सिद्ध कीजिए।

c) सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

''जाण क्यूँ द्यूं तन्नै जिब क्यूँ नी सोच्या जिब म्हारी बेट्टी गेल न्यूं होवैगी। उसके सांवले रंग पै लोग नाक चढ़ावैंगे। म्हारे दिल पै के गुजरैगी। जे तों न्यू सोचदी तेरै दिल मैं भगवान का डर होंदा आज अपणी बेट्टी गैल या नी बणदी। यू तो कलजुग सै ज्ञान्नो कलजुग। इस हाथ दे, उस हाथ ले। क्यूकर नाक चढ़ाके बात करी थी तन्नै जिब अपां जैपरकास की छोहरी नै देक्खण गये थे। किसी सलखणी अर साऊ छोरी थी। उसका सांवला रंग देखकै क्यूकर मुंह फेरया था तन्नै। मेरे ईब तांई याद सै ज्ञान्नो। ''

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय

सत्रांत परीक्षा, मई/जून, 2018

कार्यक्रम : **एम.ए. (हिंदी)**
सेमेस्टर : **चतुर्थ**
पाठ्यक्रम शीर्षक : **भक्तिकाव्य**
पाठ्यक्रम कोड : **SLLCH HND 1 4 12 C 5005**

सत्र : **2017-18**
समयावधि : **3 घंटे**
अधिकतम अंक : **70**

निर्देश :

- प्रश्न सं. 1 के कुल सात भाग हैं, जिनमें से किन्हीं चार के उत्तर देने होंगे. प्रत्येक भाग के 3.5 अंक निर्धारित हैं.
- प्रश्न सं. 2 से 5 तक के प्रश्नों के तीन-तीन भाग हैं, जिनमें से किन्हीं दो के उत्तर देने होंगे. प्रत्येक भाग के 7 अंक निर्धारित हैं.

1. संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : (3.5 x 4 = 14 अंक)
   a) संत काव्य।
   b) सूफ़ी काव्य में प्रेम तत्त्व।
   c) कबीर के राम।
   d) रहस्यवाद।
   e) पद्मावत।
   f) भ्रमरगीत।
   g) जायसी की विरह भावना।
2. a) 'कबीर संत के साथ-साथ एक समाज सुधारक भी थे'-इस कथन के आलोक में अपने मत की पुष्टि कीजिए। (7x2= 14 अंक)
   b) कबीर के दार्शनिक विचारों पर प्रकाश डालिए।
   c) सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

   ''अंखियाँ तो झाईं परी, पन्थ निहारि निहारि।
   जीभड़ियाँ छाला पड्या नाम पुकारि पुकारि।
   बिरह कमंडल कर लिए, बैरागी दो नैन।
   मांगै दरस मधूकरी, छके रहैं दिन-रैन।''
3. a) सूफ़ी काव्य के प्रमुख कवियों का संक्षिप्त परिचय दीजिए। (7 x 2 = 14 अंक)
   b) जायसी के काव्य में अभिव्यक्त प्रकृति चित्रण पर प्रकाश डालिए।
   c) सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

   ''चैत बसंता होई धमारी। मोहिं लेखे संसार उजारी।।
   पंचम बिरह पंच सर मारै। रकत रोई सागरों बन ढारैं।।
   बूड़ि उठे सब तरिवर पाता। भीजि मजीठ, टेसु बन राता।।
   बौरे आम फरै अब लागे। अबहूँ आउ घर, कंत सभागे।।''

4. a) मीरां के जीवन का संक्षिप्त परिचय दीजिए। (7 x 2 = 14 अंक)

b) सूरदास के काव्य में अभिव्यक्त वात्सल्य वर्णन को सोदाहरण समझाइए।

c) सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

''गली तो चारों बंद हुई, मैं हरि से मिलूँ कैसे जाय।
ऊँची नीची राह रपटीली, पाँव नहीं ठहराय।
सोच-सोच पग धरूं जतन से, बार-बार डिग जाय।
ऊँचा नींचा महल पिया का, हमसे चढ्या न जाया।''

5. a) भक्तिकाव्य में तुलसीदास के महत्त्व को रेखांकित कीजिए। (7 x 2 = 14 अंक)

b) लोकमंगल की अवधारणा और तुलसीदास पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

c) सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

''राम कबहुं प्रिय लागिहौ जैसे नीर मीनको?
सुख जीवन ज्यों जीवको, मनि ज्यों फनिको हित, ज्यों धन लोभ-लीनको।
ज्यों सुभाय प्रिय लगति नागरी नागर नवीन को।
त्यों मेरे मन लालसा करिए करुनाकर! पावन प्रेम पीनको।
मनसा को दाताकहैं श्रुति प्रभु प्रबीन को।
... को भावतो, बलि जाऊं दयानिधि! दीजै दान दीनको।''

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय

सत्रांत परीक्षा, मई 2018

कार्यक्रम : एम. ए. (हिंदी) सत्र : 2017-18

सेमेस्टर : चतुर्थ *समय : 3 तीन घंटे*

प्रश्नपत्र का शीर्षक : हिंदी आलोचना *पूर्णांक : 70*

प्रश्नपत्र संख्या : SLLCH HND 1 4 13 C 5005

नोट : इस प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न दिए गए हैं तथा सभी प्रश्न अनिवार्य हैं. प्रत्येक प्रश्न 14 अंकों का है. प्रश्न संख्या एक के कुल सात उप विभाग हैं तथा विद्यार्थियों को किन्हीं चार के उत्तर देने हैं. प्रत्येक उप प्रश्न 3.5 अंकों का है.

(3.5x4=14)

1. अ. लोकमंगल की साधनावस्था
   ब. नाथ सम्प्रदाय
   स. हिंदी साहित्य की भूमिका
   द. परम्परा का मूल्यांकन
   य. दूसरी परम्परा की खोज
   र. साहित्य का उद्देश्य
   ल. निराला की साहित्य-साधना

नोट: प्रश्न संख्या दो से पाँच तक में तीन उप विभाग हैं तथा विद्यार्थियों को प्रत्येक प्रश्न के किंही दो उप विभागों के उत्तर देने हैं. प्रत्येक उप प्रश्न 7 अंकों का है.

2. अ. शुक्ल पूर्व हिन्दी आलोचना। (2X7=14)

   ब. मार्क्सवादी आलोचना का परिचय दीजिए।

   स. एक आलोचक के रूप में 'महावीर प्रसाद द्विवेदी' का मूल्यांकन कीजिए।

3. अ. आचार्य रामचंद्र की इतिहास दृष्टि पर प्रकाश डालिए। (2X7=14)

   ब. सौष्ठववादी आलोचक के रूप में नन्ददुलारे वाजपेयी का मूल्यांकन कीजिए।

   स. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी का हिंदी आलोचना में योगदान स्पष्ट कीजिए।

4. अ. मार्क्सवादी आलोचक के रूप में डॉ. रामविलास शर्मा का मूल्यांकन कीजिए। (2X7=14)
   ब. डॉ. नामवर सिंह की प्रमुख आलोचनात्मक कृतियों का परिचय दीजिए।
   स. नामवर सिंह के आलोचनात्मक प्रतिमानों पर प्रकाश डालिए।

5. अ. एक आलोचक के रूप में गजानन माधव 'मुक्तिबोध' का परिचय दीजिए। (2X7=14)
   ब. व्यक्तिवादी-प्रयोगवादी आलोचक के रूप में अज्ञेय का मूल्यांकन कीजिए।
   स. 'पल्लव' में पंत की साहित्यिक मान्यताएं

M.A. Hindi

Course Code : SLLCH HND 1414 C 5005
Course Title : पाश्चात्य काव्यशास्त्र
समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 70**

खण्ड–एक

1. **निर्देश : निम्नलिखित लघूतरी प्रश्नों में से चार के उत्तर लगभग 75 शब्दों में दीजिए। सभी प्रश्नों के समान (3.5) अंक निर्धारित हैं।**

(a) प्लेटो का काव्यसत्य
(b) उत्कृष्ट भाषा (Noble Diction)
(c) काव्य प्रयोजन के सम्बन्ध में ड्राइडन के विचार
(d) अरस्तू के अनुसार त्रासदी के तत्व
(e) आई. ए. रिचर्ड्स का संप्रेषण सिद्धांत
(f) कला की निर्वैयक्तिकता
(g) कला कला के लिए (4x3.5 = 14)

खण्ड–दो

निर्देश : प्रश्न संख्या 2 से 5 तक में तीन–तीन प्रश्न दिए गये हैं। परीक्षार्थियों को हर प्रश्न में से दो–दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

2. (a) अनुकरण सिद्धान्त की दृष्टि से प्लेटो और अरस्तू के विचारों की तुलनात्मक समीक्षा कीजिए।
   (b) अरस्तू के विरेचन सिद्धांत का विवेचन कीजिए।
   (c) पश्चिम के प्राचीन समीक्षा सिद्धांतों में प्लेटो और अरस्तू का महत्व निर्धारित कीजिए। (2x7 = 14)

3. (a) काव्य की उदात्तता के विषय में लौंजाइनस के विचारों का प्रतिपादन कीजिए।
   (b) कॉलरिज के कल्पना सिद्धान्त का निरूपण कीजिए।
   (c) काव्यभाषा के विषय में वड्र्सवर्थ के विचारों को उद्घाटित कीजिए। (2x7 = 14)

4. (a) क्रोचे के अभिव्यंजनावाद की मुख्य विशेषताएं बताइए।
   (b) 'सौन्दर्य एक विशिष्ट प्रकार का निरपेक्ष मूल्य (Absolute Value) है।' आई. ए. रिचड्र्स की इस मान्यता का विश्लेषण कीजिए।

(c) पश्चिमी साहित्य सिद्धांत के विकास में टी.एस. इलियट की मौलिकता पर प्रकाश डालिए।

(2x7 = 14)

5. (a) 'कविता मूलतः जीवन की आलोचना है।' – मैथ्यू आर्नल्ड के इस कथन का विवेचन कीजिए।

(b) नाटक के सम्बन्ध में ड्राइडन के विचारों का प्रतिपादन कीजिए।

(c) नई समीक्षा की मुख्य विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(2x7 = 14)